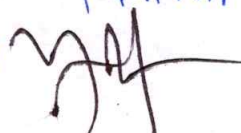

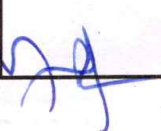


तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>तामिली वे गुरेण्ड ठर रहे हैं, जिससे अपील से अनावश्यक ही विनाव हो रहा है। ऐसी स्थिति में उक्त नोटिस की तामिली समाचार पत्र के माध्यम से करवाया जाना आवश्यक हो गया। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार कर समय की तामिल समाचार पत्र के माध्यम से करवाये जाने का आदेश उदान करमावे। हमने हा. पत्र व फावली का अवलोकन किया। प्रकरण में समस्त कानूनी परिस्थितियों को मद्देनपर रखते हुए अपीलान्त इवारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र न्यायदित में स्वीकार फरमाया जाकर समस्त रैस्पोंडेंस के सम्मन स्थानीय संस्करण में लीब्रिय अखबार में प्रकाशित करवाये जाके का आदेश उदान किया जाता है। अधिवक्ता अपीलान्त उक्त आदेश की पाठना में निम्नानुसार प्रपत्र में रैस्पोंडेंस के सम्मन भरकर पेश करे। फावली दिनांक 25/2/26 को पेश हो।</p> 	<p>अहकाम नंबर 589 25/2/26</p>
25/2/26	<p>अधिवक्ता अपीलान्त उप. / अधिवक्ता अपीलान्त पूर्वोक्तों की पाठना करे। फावली अंश दिनांक 25/3/26 को पेश हो।</p> 	
25/3/26	<p>अधिवक्ता अपीलान्त उप. / हमने फावली का अवलोकन किया। प्रकरण में न्यायालय इवारा पूर्व में आदेशिका दिनांक 3/2/2026 इवारा अपीलान्त अधिवक्ता इवारा प्रस्तुत हा. पत्र अन्तर्गत आदेश 5 मिसम 20 ली. जी. ली. किया जाकर रैस्पों. की तामिली हेतु सम्मन अखबार में प्रकाशन करवाने हेतु निर्देशित किया गया, परन्तु अधिवक्ता अपीलान्त इवारा आनखुअकर आज दिनांक तक उक्त आदेश की पाठना में</p> 	

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
	<p>रेस्पो. के लम्बन अवधार में प्रकाशित नही शक्ये/अतः अधिवक्ता अपीलान्त द्वारा न्यायालय आदेश की ध्वष्टता करने के कारण उक्त अपील को अदम तकमील में खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल सुमार दोहर बाद आवश्यक कार्यवाही दायरे दफतर हो।</p> <p style="text-align: center;">[Signature]</p>	